नाम - पुरुषोत्तम मीणा

रावल

बालक प्रगति पत्र 2004-2005 राजकीय प्राथमिक विद्यालय जगतपुरा (सवाई माधोपुर)	कार्य दिवस 221 कार्य दिवस 237 उम्र - 11 वर्ष	शीशराम मिट्ठू मीणा

भाषा

पुस्तक को ठीक से पढ़कर समझ लेता है। लघु व दीर्घ मात्राओं की समझ है। पत्र और प्रार्थना पत्र लिखना सीख गया है। 8 पंक्तियों की तुकबंदी भी कर लेता है। चित्रों को देखकर कहानी में और कहानी को चित्रों में व्यक्त कर देता है। किसी विषय वस्तु पर 10-15 वाक्यों से भी अधिक लिख व बोल लेता है। सामान्य व्याकरण में विराम चिन्ह (।, ?) संज्ञा, सर्वनाम क्रिया, प्रत्यय, उपसर्ग की समझ है। 10-15 एकल शब्द और 20-30 विलोम शब्दों की पहचान हो गई है। कहानी से प्रश्न उत्तर बना व कर लेता है।

गणित

हजार व दस हजार की संख्याओं में से छोटी बड़ी आरोही अवरोही, विस्तारित रूप, इकाई, दहाई, सैकड़ा हजार दस हजार, जोड़ घटाव, गुणा भाग सही कर लेता है। 4-5 अंकों की सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या बता देता है। भिन्नों में $\frac{1}{2}$ व $\frac{1}{4}$ की समझ है। संख्या में अंश व हर सही बता देता है। कलैण्डर पढ़ लेता है। घंटा मिनट सैकिण्ड को समझता है। घड़ी देखकर समय बता देता है।

घंटों और मिनटों के जोड़ घटाव कर लेता है। रुपये पैसों को एक दूसरे में बदलकर जोड़ घटा गुणा भाग सही कर लेता है। किलो मीटर, किलो लिटर, किलो ग्राम की मापन इकाइयों से परिचित है। इनको छोटी इकाइयों में भी बदल लेता है। औसत को समझता है। 4-5 संख्याओं का औसत निकाल लेता है। मीटर, सेन्टीमीटर में चीजों की लम्बाई नाप लेता है। रेखा, रेखा खंड, कोण, बिन्दु घन, घनाभ की समझ है। स्केल, पैंसिल, प्रकार की सहायता से त्रिभुज, वर्ग, आयत वृत बना लेता है।

पर्यावरण

परिवेश में उपलब्ध सामग्री परिस्थितियों एवं घटनाओं के प्रति कुतूहल का विकास। रुझानों अभिरुचियों एवं संवेदना का विकास। जानकारी के संकलन उसे कोटय-वस्थित करने एवं अंकन करने संबंधी क्षमताओं का विकास। तथ्यों एवं जानकारी में आपसी संबंध देख पाने की क्षमता का विकास। आधारभूत अवधारणाओं सीखने की क्षमताओं व तार्किक चिंतन का विकास। प्रश्न उठाने की क्षमता व उनके उत्तर देने के लिये परिकल्पनाओं के प्रतिपादन की क्षमता का विकास। परिकल्पनाओं की जांच के तरीके सोच पाने एवं उन तरीकों को काम में लेने के लिये आवश्यक क्षमताओं दक्षताओं का विकास। निष्कर्ष निकालने की क्षमता एवं समालोचनात्मक चिंतन का विकास। निष्कर्षों के व्यवहारिक परिणामों को समझ पाने की क्षमता का विकास। सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थितियों की समालोचनात्मक क्षमता का विकास। इतिहास बोध संबंधी क्षमताओं का विकास। भौगोलिक परिस्थितियों एवं उनके मानव पर प्रभावों की समझ। उपरोक्त क्षमताओं का क्रमिक विकास हुआ है। दैनिक जीवन में इसका प्रयोग

अंग्रेजी

अंग्रेजी में 111 तक क्रम से बोल लेता है। लिखे को देखकर अंग्रेजी में बता देता है। प्रमुख फल, सब्जी जानवर, पक्षी और उपयोगी वस्तुओं के 150 से भी अधिक शब्दों की पहचान है। 8-9 Rhyme's याद हैं। मौखिक निर्देश (उठना, बैठना, आना, जाना, छूना, लाना, उठाना) को समझता है। This, That, These, Those He, She, it को समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। क्रिया में Climbing Touching Bathing, dancing, walking, playing, doing, reading writing, eating, Flying, dancing, jumping, sleeping lafing, का Now, He, She, Look, what के साथ वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। अपना व अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम, गांव का नाम, अपनी उम्र बता देता है। सप्ताह और महिनों के नाम भी याद है।

कला खेल

कला और खेलो मे रुझान बढा है। ~~खेलो~~ स्लो और सरल खेल पसन्द करता है। भावुक है। संघर्ष करने की क्षमता और आत्मविश्वास भी बढा है। क्राफ्ट मे नई नई चीजे बनाना और नृत्य करना अच्छा लगता है। नाटक को करने की बजाय देखना अच्छा लगता है।

रामरिखलाई

वार्षिक प्रगति पत्र 2005-2006
ग्रामीण शिक्षा केन्द्र सवाई माधोपुर
उदय सामुदायिक पाठशाला जगनपुरा

छात्र का नाम - पुरुषोत्तम मीणा
पिता का नाम - श्री रामखिलाड़ी मीणा
माता का नाम - श्रीमती बरफी देवी
कुल कार्य दिवस - 217
कुल उपस्थिति - 204

समूह - बगीचा
शिक्षक - वि०कु०

रामखिलाड़ी

भाषा (हिन्दी)

* गत वर्ष प्रत्यय व उपसर्ग पर कार्य कर चुके थे। पुस्तक पढ़ लेते थे। विलोम शब्द, पत्र लेखन व सामान्य व्याकरण की जानकारी थी
* इस वर्ष में पुस्तक पठन में कक्षा 5 के स्तर की कहानी पढ़ लेता है पढ़कर कठिन शब्दों के अर्थ जान लेता है।
* मुहावरे व लोकोक्तियों की समझ है और पुस्तक के कथ्य के आधार मुहावरे और लोकोक्तियों को समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेते हैं और भावों को समझ लेते हैं।
* व्याकरण में संज्ञा सर्वनाम क्रिया विशेषण कर्ता व क्रिया की पहचान समझ है।
* पर्यायवाची शब्दों की समझ है। अर्थ समझता है और ज्यादा प्रचलित शब्दों के पर्यायवाची याद भी हैं।
* पत्र प्रार्थना-पत्र हाल ही में लिख लेता है।
* दी गई विषय वस्तु पर 150 शब्दों में अपने विचार लिख व्यक्त कर लेते हैं।
* 2104 कोष देख लेते हैं।

गणित

* गत वर्ष तक 10 हजार तक संख्या पहचान की और जोड़ घटा गुणा भाग आरोही अवरोही विस्तारित रूप व औसत कर लेता है
* इस वर्ष में 3-4 राशियों के औसत निकालना औसत निकालना व औसत संबंधी सरल समस्या के सवाल हल कर लेता है।
* भिन्नों में समतुल्य भिन्न बनाना उचित व अनुचित भिन्न की समझ मिश्र भिन्न को अनुचित भिन्न व अनुचित व अनुचित भिन्न को मिश्र भिन्न में बदल लेता है। भिन्नों के जोड़ घटा तुल्य भिन्न के कर लेता है।
* 2 संक्रिया वाले सवाल कर लेता है।
* 50 तक रोमन संख्या की समझ है।
* 10 करोड़ तक की संख्या में आरोही अवरोही, स्थानिमान विस्तारित रूप सबसे छोटी 4-5 संख्या के जोड़ व चारों मूल भूत संक्रियाएं आसानी से हल कर लेता है।
* मापन इकाइयों में व मुद्रा संबंधी मूल भूत चारों संक्रियाओं का उपयोग कर लेता है (kg, MCM) मिली रु पैसे)
* ज्यामितिय कार्यों में नापकर रेखा खण्ड बनाना समकोण न्यूनकोण अधिक कोण आपत का, वर्ग, त्रिभुज, वृत पैमाना प्रकार व चारे से बना लेता है।
* परिमाप और क्षेत्रफल को समझ गया है आयत वर्ग का परिमाप व क्षेत्रफल ज्ञात कर लेता है।
* सम विषय की समझ है। भाज्य अभाज्य को जानता है। 2, 3, 5, 7, 11 के भाजकता के नियम जानता है।
* गुणनखण्ड समझ गया है। लघुतम समापवर्त्य और महत्तम समापवर्त्य की समझ है लघुतम की सहायता से भिन्नों के जोड़ घटा कर लेता है।

विवरण

गत वर्ष पर्यावरण कक्षा 3 के स्तर तक की सभी सामान्य जानकारी व समझ के कार्य करते हुए अवलोकन वर्गीकरण तुलना - नीकरण विश्लेषण की क्षमताओं पर कार्य कर लेता था इसी कार्य को कुछ और गहराई से करने के लिए निम्न बिन्दुओं पर कार्य किया।

* जीव - जन्तु पेड़ पौधों व्यक्तिगत व आस - पास की सफाई
* रहन सहन खान - पान, तीज त्योहार, रीति, रिवाज पहनावा आदि
* गांव की कहानी
* यातायात के साधन
* स्वास्थ्य अवस्था
* कपड़े और सिलाई के साधन
* मानव अंगों के नाम और कार्य
* पदार्थ के प्रकार और गुण
* वायु और उसका उपयोग
* पानी एवं मिट्टी का उपयोग
* गांव का नक्शा बनाना व समझना
* गांव के पहाड़ नदी नाले जोहड़ व तालाब
* कहानी के महाराणा प्रताप मीरा एक नवय अशोक अकबर पृथ्वीराज, मोहम्मद गौरी व पश्चिम में कहानी सुनी व समझी
* वायु जल मिट्टी के प्रयोग
* पदार्थ का रूप बदलना उसका के प्रयोग मिट्टी की खोज व गुणों को जानना इसके प्रयोग
* ग्राम पंचायत के चुनाव और कार्य
* पंचायत स्तरीय संस्थाएं (स्कूल पोस्ट ऑफिस दवाखाना) पंचायत समिति जिला प्रशासन
* शासन तंत्र पालक तंत्र व बल को जानते हुए उसके प्रकार व कार्य को जानता है।

जी

100 तक गिनती जानता था / This/That These/Those का The के प्रयोग से वाक्य बनाकर बोलता था वर्णमाला आती है व अपने आस पास 50 के लगभग चीजों के नाम देखकर बता पाता है

छोटे व सरल वाक्यों में बनी कहानी या लेख पढ़कर समझ लेता है। वाक्यों का उच्चारण सही करता है।

* खाली स्थान में उचित शब्द का प्रयोग कर वाक्य पूरा कर लेता है।

+ विषय वस्तु पर 8-10 वाक्य बोल व लिख लेता है।

* 1000 तक गिनती लिखना सप्ताह के महीनों के नाम बोलना व लिखना जानता है।

10 of 12 Rhymes याद है।

Now के प्रयोग से वाक्य बोल लेता है।

+ on in under का प्रयोग जानता है।

+ वचन की समझ है और बदल कर लिख व बोल लेता है।

+ शरीर के अंगों के नाम जानता है।

× सभी प्रकार के सामान्य मौखिक निर्देशों को समझ लेता है।

× छोटी बड़ी वर्णमाला four-line में सही लिख लेता है।

× दैनिक उपयोग की आस पास पड़ी चीजों दवाओं व अन्य खाली डिब्बों पर लिखे नामों को पढ़ लेता है।

+ अपना व अपने साथियों का परिचय बता देता है

कला

कला में सभी प्रकार के कार्यों जैसे कोलाज पेपर चित्रकला संगीत नाटक कहानी नृत्य सभी में पूरे उत्साह और उमंग के साथ बेझिझक भाग लेता है। अपने मन से चित्र बनाना पसन्द करता है। ढोलक भी बजा लेता है। काल्पनिक कहानी व कविताएं लिख लेता है।

खेल

खेलों मे जो भी खेल खिलाया जाता है। उसी मे मजे से भाग लेता है। सभी खेलों मे अच्छा प्रदर्शन करता है। फुटबाल की रक्षा पंक्ति में अच्छे शाट लगाता है। पाठशाला का अध्यक्ष भी है। जिसके कारण अपनी कक्षा और स्कूल की सभी जिम्मेवारी इसी पर आती है। जिसे बखूबी निभाता है।

व्यवहार / अन्य

व्यवहार बहुत मधुर है। भावुक लड़का है। पाठशाला के सभी बच्चे पसन्द करते हैं। नेतृत्व क्षमता विकसित हो रही है। अपना काम व अखबार की जिम्मेवारी बड़ी सफलता के साथ निभा रहा रहा है। पढ़ने व याद करने में अच्छा है। नियमित स्कूल आता है। छुट्टी के बाद भी 3 घंटा रुकता है। सभी लड़के और लड़कियां इसे पसन्द करते हैं।

वार्षिक प्रगति पत्र
सत्र 2006 - 2007

उदय सामुदायिक पाठशाला
जगनपुरा, रावल, स॰ मा॰

कार्य दिवस 218

नाम (छात्र छात्रा) - श्री पुरुषोत्तम मीणा
माता का नाम - श्रीमती बर्फी देवी
पिता का नाम - श्री रामखिलाड़ी मीण
समूह - बगीचा

प्रवेशांक 43
उपस्थिति 182
प्रतिशत उप 86.69%
जन्म तिथि 1.3.1998

हस्ताक्षर (शिक्षक)

हस्ताक्षर (अभिभावक)

गणित

गुणनखण्ड कर लेता है। महत्तम समापवर्त्य कर लेता है। लघुत्तम समापवर्त्य की मदद से भिन्नों के जोड़ घटाव कर लेता है। भिन्नों के गुणा भाग कर लेता है। दशमलव पर आधारित जोड़ घटाव गुणा भाग कर लेता है। लाभ हानी ब्याज करलेता है। एकिक नियम के सवाल कर लेता है। धनात्मक और ऋणात्मक संख्याओं के जोड़ घट कर लेता है। घातांक, वर्गमूल, घनमूल के अभ्यास कर लेता है।

हिन्दी

भाषा शिक्षण में मौखिक अभिव्यक्ति, शुद्ध उच्चारण शुद्ध लेखन, शुद्ध वर्तनी पर कार्य करवाया गया। व्याकरणिक ज्ञान में उपसर्ग एवं प्रत्यय के योग से शब्द रचना, पदों का ज्ञान, काल, वाक्य रचना, पर्यायवाची, एवं विलोम शब्दो, विराम चिन्हों की पहचान पर कार्य करवाया। इसमे लगातार सुधार

सामाजिक ज्ञान व विज्ञान

इसमें पर्यावरण अध्ययन की क्षमताओं को (अवलोकन, वर्गीकरण समानीकरण विश्लेषण) विकसित करने हेतु निम्न विषय वस्तुओं की समझ पर कार्य करवाया गया। चुम्बक नक्शा (जिला राज्य, राष्ट्र विश्व) जाना। जिसमें प्राकृतिक क्षेत्र, जलवायु वनस्पति, व्यवसाय को जाना। शासन में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला प्रशासन को जाना। संघिय शासन में कार्यपालिका न्यायपालिका व्यवस्थापिका को जाना। प्राथमिक उपचार में बिमारी और उसकी रोकथाम के उपाय जाने जल और वायु को प्रयोग कर जाना। कहानी में मानव के विकास की कहानी, आजादी की कहानी पढ़ी। भूगोल में पृथ्वी का आकार, गतियां, प्रकाश का गमन, इन्द्रधनुष, गुरुत्वाकर्षण, महाद्वीप, महासागर अक्षांश देशान्तर, ध्रुव, चन्द्रग्रहण, सूर्यग्रहण, चन्द्रकला भूकम्प ज्वालामुखी को जाना। पैसे की कहानी, पेड़ पौधों व जीवों में प्रजनन, हमारा शरीर कंकाल पेशिय संस्थान आदी पर चर्चा की व इनकी समझ है।

अंग्रेजी

कक्षा 5 के स्तर की कहानियां कविताए देखकर पढ लेते हैं। दिए गए शब्दों से वाक्य बनालेते हैं। प्रश्न उत्तर स्वयं कर लेते हैं। वचन, लिंग, बिलोम शब्दों (स्तरानुसार) को समझते हैं। सुनकर थोडा-2 लिख लेते हैं। दैनिक उपयोग के शब्द और वाक्यों को समझलेते हैं। सरल विषय वस्तु पर 4-5 वाक्य अपने मन से बना लेते हैं।

अपना काम

व्यक्तिगत और सामुहिक कार्यों में भाग लेता है। सलाह और निर्देशों का पालन करता है। दीर्घ अवधि के कामों को नियमित नहीं करपाता है। संवेदनशील है।

कला

(i) चित्रकला

रेखिक और द्वीआयामी चित्रों को बना लेता है। गहरे रंगो का प्रयोग करती है। रंगो में सन्तुलन बढ़ा है। पानी के रंग भी सम्भाल कर लेता है।

ii पोट्री

मिट्टी को स्वयं गीली कर लेता है। पहिया घुमा लेता है। मिट्टी नहीं साधपाता। साधने पर दीपक बनालेता है। खिलौने हाथ से बना लेता है।

(iii) कारपेन्ट्री

औजारों के नाम और उनके उपयोग को जानता है। लकड़ी को मनचाहा आकार देने का प्रयास करता है।

(IV) खेल

क्रिकेट और फुटबाल में विशेष रुचि है। सभी खेलों के नियम जानता है। खेल मे बहुत कम नीयमों को तोड़ता है। चुस्ती फुर्ती सामान्य है। खेल के दौरान हलका नेतृत्व भी करता है।

ग्रामीण शिक्षा केन्द्र सवाईमाधोपुर

उदय सामुदायिक पाठशाला जगनपुरा

वार्षिक प्रगति पत्र - 2007-08 (1 जुलाई से 5 मई तक)

छात्र का नाम :- पुरुषोत्तम

S.R. No. = 43

पिता का नाम :- श्री राम खिलाड़ी मीणा

जन्म तिथि = 1-03-199

माता का नाम :- श्रीमती बरकी देवी

कुल कार्य दिवस = 214

शिक्षक का नाम :- दुर्गा प्रसाद

कुल उपस्थिति = 205

% उपस्थिति = 96%

शिक्षक के हस्ताक्षर

अभिभावक के हस्ताक्षर

रामखिलाड़ी मीणा

गणित

* शुरुआत में पूर्णांक के घातांक से की
* पूर्णांक के घातांक, वर्ग व घनमूल अभाज्य गुणनखण्ड विधि से निकालना ठीक कर लेता है।
* ~~म.स.~~ महत्तम समापवर्तक भाग विधी से, लघुतम समापवर्त्य संयुक्त विधी से कर लेता है। ल.स व म.स. में सम्बंध की समझ है। इससे सम्बंधित इबारती सवाल कर लेता है।
* औसत में उन्नत स्तर के प्रश्न कर लेता है।
* प्रतिशतता के सभी सवाल कर लेता है % व भिन्न की अदला बदली कर लेता है।
* लाभ हानि में, क्र.मू., वि.मू., लाभ %, हानि से किसी भी एक इकाई को निकाल लेता है।
* सरल ब्याज निकाल लेता है सरल ब्याज देने पर दर अथवा मूलधन अथवा समय ज्ञात कर लेता है।

* बीजीय व्यंजक के + − × ÷ के सवाल कर लेता है।
* समीकरण को बीजिय व्यंजक में बदल कर हल कर लेता है।
* रेखा व कोण, समान्तर व प्रतिच्छेदी की समझ है तथा बाह्य, अन्तः कोण, एकान्तर, शीर्षाभिमुख, संगत कोण की समझ है।
* त्रिभुज व उसके प्रकार व कोण अथवा भुजा देने पर त्रिभुज की रचना कर लेता है।
* वृत्त, केन्द्र, व्यास, त्रिज्या की समझ है।
* वृत्त की जीवा व उसकी (वृत्त की) रचना कर लेता है।
* सममित व असममित अक्ष व आकृतियों की समझ है।
* विभिन्न प्रकार की आकृतियों का क्षेत्रफल ज्ञात कर लेता है।
* किसी आयताकार के बाहर अथवा भुजा के समानान्तर रास्तों का क्षेत्रफल ज्ञात कर लेते हैं।
* परिमेय संख्या की समझ है परिमेय संख्या के + − × ÷ के सवाल हल कर लेता है।
* परिमेय संख्या व दशमलव संख्या की अदला बदली कर लेता है।
* दो संख्या के मध्य की परिमेय संख्या ज्ञात कर लेते है
* सांत व असांत दशमलव संख्या, आवर्ती व अनावर्ती दशमलव संख्या संख्या की समझ है
* परिमेय व दशमलव संख्या के वर्गमूल ज्ञात कर लेता है।
* $a^m \times a^n = a^{m+n}$, $a^m \div a^n = a^{m-n}$ जैसे घातांक की समझ है।
* SCERT कक्षा 7 पर कार्य कर रहा है।

विज्ञान

* कक्षा 6 NCERT व SCERT से निम्न को समझते है।
कक्षा 6-SCERT
- गति
- बल
- ऊर्जा
- ऊर्जा के विभिन्न रूप
- भोजन का पाचन व तंत्र
- श्वसन तंत्र
- सौर परिवार, चन्द्र ग्रहण, सूर्यग्रहण
- प्रकाश व छाया
- सूक्ष्म जीव व रोग
- कृषि की नवीनतम प्रोद्योगिकी व मानव निर्मित सामग्री तथा जैविक व अजैविक घटक को समझते है।

कक्षा 7 NCERT से -
- भोजन व उसके घटक
- वंतु व वस्त्र व वस्तुओं के समूह बनाना
- पदार्थों का पृथक्करण
- हमारे चारों ओर के परिवर्तन
- पौधो व उनके अंग - शाक, झाड़ी, वृक्ष को समझते है।
- शरीर में गति, सजीव व उनका परिवेश
- गति व दूरियों का मापन
- प्रकाश छायांस व परावर्तन
- विद्युत व परिपथ
- चुम्बक, जल, वायु, कचरा संग्रहण व निपटान को समझते है।

कक्षा 7 NCERT की पुस्तक से निम्न को समझा

- पादपों व प्राणियों में पोषण
- रेशे से वस्त्र तक
- ऊष्मा,
- अम्ल, क्षारक व लवण
- भौतिक व रासायनिक परिवर्तन
- मौसम, जलवायु तथा अनुकूलन
- पवन, तूफान व चक्रवात
- मृदा की समझ है। स्वयं पढ़कर समझकर अभ्यास प्रश्नों को हल कर लेता है।

अंग्रेजी (English)

कक्षा 5 की अंग्रेजी की पुस्तक से निम्न Paragraph को पढ़कर समझ लेते हैं।

* A Zoo
* Neha and the Monkey
* Kamini and Sam
* Spending A Holidays
* Going to a party.
* A class Tournament
* Govind's Routine को समझ लेता है

Before, After, At, on, in, May, Can Simple future Tense, an, a, the के प्रयोग को समझ है।

* कक्षा 6 की SCERT की पुस्तक से पढ़कर समझ लेता है
* कक्षा 6 की स्तर की Story, Paragraph को पढ़कर समझ लेते है कठिन शब्द छांट लेता है
* कहानी से question, Answere कर लेता है।
* Sigular, Plural Number की समझ है
* has, have, is, am, are, was, were, can, Verbs की form व उनके प्रयोग की समझ है।
* story, Paragraph writing, Composition, Applicatio writing कर लेता है।
* but, because, by, behind, in front of की समझ है
* Present Continious Tense की समझ है।
* Can, May, should के प्रयोग कर लेता है।
* Sentences को Negative व Interogative Sentences में बदल लेता है।
* as--as तथा not so---- as के प्रयोग की समझ है।
* opposite and Zender की समझ है।
* Letter की समझ है और अंग्रेजी मे Letter लिख लेता है।
* वाक्यों की समझ है।
* NBT, CBT की कहानियों को भी पढ़ लेता है।

हिन्दी

* कक्षा 6 SCERT व NCERT की कहानियों व गद्यों को पढ़कर समझ लेता है।
* कक्षा 7 की NCERT की पुस्तक को पढ़कर समझ लेता है अभ्यास प्रश्न हल कर लेता है।
* कक्षा 7 SCERT की पुस्तक से प्रश्नो, छोटी-सुविधा, बड़ी असुविधा 'पराधीन सपने हूँ सुख नाही, वनवासी, सबके चेहरे खिल उठे, मौलाना अबुल कलाम आजाद, पञ्चधर, हमारी भी सुनो, गिरधर की कुण्डलियां, खेमा, याज्ञवल्क्य व मैत्रेयी को पढ़कर समझ लेता है
* तत्सम, तद्भव शब्द कक्षा 7 के स्तर तक की समझ है।
* एकल शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, वचन, क्रिया, विशेषण, समानार्थी शब्द, संधि, संज्ञा (भाववाचक सहित), विलोम शब्द पर्यायवाची शब्द, वर्तनी की दृष्टी से शब्दों को ठीक करने के कार्य कर लेता है।
* संयुक्त शब्दों को खोलकर लिख लेता है।
* समास युक्त वाक्यों में समास की प्रारंभिक समझ है।
* मुहावरे व लोकोक्ति की समझ है।
* योजक चिह्न की समझ है।
* पत्र व प्रार्थना पत्र की समझ है।
* किसी विषय वस्तु में 250 - 300 शब्दों में अपने विचार लिख लेते है।

— कहानी व कविता के अर्थ व भावों को समझ लेता है कविता में मन से नई पंक्तियां जोड़ देता है।

-: सामाजिक ज्ञान :-

-: भूगोल :-

* पृथ्वी के परिमण्डल (कक्षा 6 SCERT ~~के~~ तथा NCERT)
* भूपटल संरचना व परिवर्तनकारी शक्तियां (कक्षा 6 SCERT)
* ग्लोब व मानचित्र "
* हमारा राजस्थान "
* प्रगतिशील राजस्थान "
* राजस्थान के परिवहन के साधन "
* हमारी पृथ्वी और सौरमण्डल (कक्षा 6 NCERT)
* ग्लोब और मानचित्र ~~किस प्रकार~~ "
* पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति दिखाना "
* दिन-रात व ऋतुएं "
* भारत - हमारा देश "
* हमारी जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीवन "
* पर्यावरण के घटक, पृथ्वी का बदलता स्वरूप-प्रक्रिया (कक्षा 7 NCERT)

की समझ है सम्बंधित प्रश्नोत्तर कर लेता है।

इतिहास

* आइए अतीत को जानें/आदिम मानव (कक्षा 6 SCERT ~~के~~ NCERT)
* आर्य सभ्यता एवं संस्कृति, नगर जीवन का आरम्भ " "
* हमारी प्राचीन जनपद व्यवस्था "
* प्राचीन भारत का गौरवशाली इतिहास "
* भारतीय संस्कृति और विश्व "
* वैदिक युग का जीवन (कक्षा 6 NCERT)
* भारत - (600 ई.पू. - 400 ई.पू.) "
* मौर्य साम्राज्य "

* भारत : (200 ई.पू. – 300 ई. तक) (कक्षा 6 NCERT)
* गुप्त काल ,,
* छोटे-छोटे राज्यों का युग ,,
* भारत और संसार ,,

की समझ है)

-: राजनितिक विज्ञान :-

* पंचायती राज (स्वशासन ग्रामीण) (कक्षा 6 SCERT)
* नगरीय स्वशासन ,,
* जिला प्रशासन ,,
* हमारे जिले की न्याय व्यवस्था ,,

समाजशास्त्र व अर्थशास्त्र

* हमारा परिवेश (कक्षा 6 SCERT)
* ग्रामीण जीवन एवं शहरीकरण ,,
* विकास के आधार (सहकारिता एवं सामुदायिकता) ,,
* उपभोक्ता जागृति ,,
* समुदाय की आवश्यकताएं (कक्षा 6 NCERT)
* ग्रामवासियों की आवश्यकताओं की पूर्ती ,,
* नगरों की आवश्यकता की पूर्ती ,,
* सार्वजनिक सम्पति की देख रेख ,,

-: संस्कृत :-

* अकारान्त पुल्लिंग/नपुंसकलिंग शब्दों की समझ है।
* आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों की समझ है।

* सर्वनाम शब्द (अस्मद, युष्मद, अहं, आवां, वयं, त्वं, युवां, यूयं) शब्दों का प्रयोग कर लेता है।

* सः, तौ, ते (पुल्लिंग) सा, ते, ताः (स्त्रीलिंग), तत्, ते तानि (नपुंसकलिंग) का प्रयोग कर लेता है।

* इदम्, इयं के प्रयोग की समझ है।

* मानव शरीरस्य अंगानि (कक्षा 6 SCERT)

* उपवनम् "

* संख्यावाचक शब्दा "

को पढ़कर समझ लेता है।

-: कला :-

* मन से व देखकर चित्र बना लेता है मनचाहा रंग भर लेता है साफ व स्पष्ट रंग भर लेता है।
* अखबार के चित्र व अन्य चीजों से कॉलाज बना देता है।
* लकड़ी से छोटी-छोटी चीजें बना लेता है।
* चाक पर छोटे-2 मटकी, दीपक आदि बना लेता है मिट्टी के खिलौने बना लेता है।
* कागज से विभिन्न मॉडल बना लेता है।
* गाना, नृत्य, ढोलक बजाने में रुचि लेता है।

-: अपना काम :-

* साफ-सफाई समूह की में भाग लेता है।
* स्कूल परिसर में पत्थरों को व्यवस्थित रखने, पेड़ पौधों की देखभाल में रुचि लेता है।

-: खेल :-

* खो-खो व फुटबॉल को अधिक रुचि लेकर खेलता है।
* अन्य खेल लंगड़ी, आइना, ~~अष्टा~~ छिपना, घोड़ी आदि भी खेलता है।

-: व्यवहार व अभिरुचि :-

* सभी साथियों व शिक्षकों से मित्रवत रिश्ते है।
* समूह का नेतृत्व लेता है।
* अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारी से पूरा करता है।
* सहज रूप से अपनी बात को रखता है।
* ड्रामा में अधिक रुचि है।

ग्रामीण शिक्षा केन्द्र
उदय सामुदायिक पाठशाला, सवाई माधोपुर
वार्षिक प्रगति रपट 2007–08

छात्र/छात्रा	पुरूषोत्तम
समुह का नाम	सागर
विषय	थियेटर
शिक्षक	राजकुमार

1. बाह्य एवं अन्तः शारिरीक विकास के माध्यम का विकास ।

1.1 अपने शारिरीक और आवाज का भाव

1.2 व्यक्तिगत सृजनात्मकता का विकास

2. अन्तः क्षमता तथा जागरूकता का विकास

2.1 समूह के मदद तथा परेशानियों का निवारण प्रक्रिया

2.2 देखना, सुनना, समझना और अपने विचार रखना अपने तथा दूसरों के कार्यों पर,

3. रंगमंच के गतिविधियों से लगाव का विकास (*)

3.1 नाटक में इस्तेमाल होने वाले वस्तुओं पर चर्चा

3.2 रंगमंच की प्रस्तुतिकरण में भाग लेना,

3.3 अपने व्यक्तिगत रियेक्शन को कलात्मक रूपरेखा में बाँटना।

4. रंगमंच के द्वारा कलात्मक परिचय स्थापित करना।

4.1 लघु कहानी लेखन (*) / कथन

4.2 लघु एकल अभिनय

4.3 लघु नाट्य प्रस्तुति में अपने साथियों की सहायता से निर्देशन।

5. मूक अभिनय एवं मूक प्रस्तुतिकरण के सहायकों को जानना।

5.1 मूक अभिनय के चालों 1,2,3 का अभ्यास।

5.2 मूक नाट्य प्रस्तुति एकल व समूहगत।

5.3 बेसीक अभिनय क्षमताओं का विकास

5.4 आशु अभिनय के प्रयास तथा अभ्यास

6. कविता लिखना तथा उस कविता के अनुसार चित्र।

6.1 किसी भी स्थान का अवलोकन तथा लेखन या व्याख्यान।

6.2 प्रस्तुतिकरण कवितानुसार डिजाइन के साथ।

7. संगीतोपयोगी वस्तुओं से परिचय तथा इस्तेमाल।

7.1 घर तथा अपने गांव में सुने हूए गानों सुनाना तथा इसके बारे में बताना।

7.2 अपने द्वारा बनाए गये गानों को शारिरीक भाव से प्रदर्शित करना ।

7.3 अपने आस–पास से सुनाई पड़ने वाली आवाजों को ओब्जर्व करना और सुनाना।

~~टिप्पणी:-~~